सप्तदश

बिहार विधान सभा

अष्टम सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि 10 फाल्गुन, 1944 (श०)
1 मार्च, 2023 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 05

(1)	ग्रामीण विकास विभाग - -	01
(2)	पथ निर्माण विभाग - -	01
(3)	जल संसाधन विभाग - -	01
(4)	पंचायती राज विभाग - -	01
(5)	लघु जल संसाधन विभाग - -	01
	कुल योग --	05

तालाब की खुदाई

7. श्री पवन कुमार जायसवाल (क्षेत्र संख्या-21 ढाका)--क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के प्रत्येक जिलों में आजादी के 75 साल अमृत महोत्सव के तहत केन्द्र सरकार ने जल संचयन और भू-जल स्तर बेहतर बनाने हेतु 75-75 तालाबों के निर्माण का कार्य मनरेगा द्वारा करने का लक्ष्य निर्धारित किया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य में तालाबों की खुदाई मात्र 40 प्रतिशत हो पाया है एवं राज्य के 22 जिलों में तालाब खुदाई मात्र 20 प्रतिशत हुआ है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूर्वी चम्पारण सहित राज्य के सभी जिलों में लक्ष्य के अनुरूप तालाबों की खुदाई कबतक पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो, क्यों ?

सड़क का निर्माण

8. श्री अरूण शंकर प्रसाद (क्षेत्र संख्या-33 खजौली)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 1 जनवरी, 2023 को प्रकाशित शीर्षक "भारत नेपाल सीमा सड़क का 190 किलो मीटर निर्माण पूरा" के आलोक में क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार के सात जिले पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में 552 किलो मीटर भारत-नेपाल सीमा सड़क परियोजना की स्वीकृति वर्ष 2010 में मिली थी तथा वर्ष 2012-13 में इसका निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ जिसे 2016 तक पूरा करना था, परंतु अभीतक मात्र 190 किलो मीटर सड़क का निर्माण पूरा किया गया है, शेष कार्य अभीतक अधूरा है, यदि हाँ, तो सरकार सड़क निर्माण में विलम्ब के लिये दोषी संवेदक एवं विभागीय पदाधिकारी पर कार्रवाई करने के साथ सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य योजना बनाना

9. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह (क्षेत्र संख्या-194 आरा)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 10 जुलाई, 2022 को प्रकाशित शीर्षक "भोजपुर से पटना के बीच गंगा में 28 करोड़ सी0एफ0टी0 गाद" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर से पटना के बीच गंगा नदी में 28 करोड़ सी0एफ0टी0 गाद जमा हो गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि गाद के कारण नदी का तल ऊँचा हो गया है और इससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त गाद को हटाने के लिये कार्य योजना बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

10. श्री संजय सरावगी (क्षेत्र संख्या-83 दरभंगा)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 29 जनवरी, 2023 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "पंचायती राज विभाग के मूल्यांकन में ज्यादातर जिले फिसड्डी" के आलोक में क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि विभागीय मूल्यांकन में 38 में से 31 जिले का काम-काज फिसड्डी पाया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जनता और सेवाओं के लिये सीधे तौर पर उत्तरदायी 31 जिला पंचायती राज पदाधिकारियों को 40 फीसदी से कम अंक विभागीय मूल्यांकन में प्राप्त हुआ है ;

(3) क्या यह बात सही है कि पंचायती राज व्यवस्था के तहत अधिकांश कार्य की जिम्मेवारी का निर्वहन जिला में पदस्थापित पदाधिकारियों के द्वारा किया जाता है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक पंचायती राज विभाग को क्रियाशील बनाने एवं कार्य के प्रति उदासीन पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बोरिंग करना

11. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह (क्षेत्र संख्या-194 आरा)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को प्रकाशित शीर्षक "सूबे के 500 से अधिक बड़े तालाब सूख गये" के आलोक में क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में पाँच एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले 500 बड़े तालाब सूख गये है, जिससे जल-जीवन हरियाली का लक्ष्य पूरा नहीं हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस श्रेणी के 154 तालाबों का जीर्णोद्धार में करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी तालाब में मानक के अनुसार 5 से 7 फीट भी पानी उपलब्ध नहीं है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार तालाबों में मानक के अनुसार जल उपलब्धता के लिये आवश्यकता के अनुसार बोरिंग कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो, क्यों ?

पटना :
दिनांक 1 मार्च, 2023 (ई0) ।

पवन कुमार पाण्डेय,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना ।

बि0स0मु0, 71(एल0ए0), 2022-23-डी0टी0पी0-550